पाठ-2 (गद्य - खंड)

राहुल सांकृत्यायन

(ल्हासा की ओर)

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1:- घोड़ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के लिए समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर 1:- घोड़ला के पहले आखिरी गाँव पहुँचने पर - लेखक भिखमंगे के वेश में थे। इसके बाद भी उन्हें वहाँ ठहरने का उचित स्थान मिल गया था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि लेखक के साथ उनके दोस्त सुमति थे। सुमति की घोड़ला में अच्छी जान-पहचान थी। वहीं जब 5 साल बाद लेखक उसी रास्ते से लौट रहे थे तब समय वह भद्र वेश में थे फिर भी उन्हें सबसे गरीब झोपड़े में रहने की जगह मिली। इसके अलावा उनके साथ सुमति भी नहीं थे और इसी कारण दूसरी यात्रा के दौरान उन्हें रहने के लिए एक उचित स्थान नहीं मिला।

प्रश्न 2:- उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर 2:- तिब्बत एक वीरान और सुनसान इलाका है ऐसी सुनसान जगहों पर अक्सर डकैत, लुटेरे आदि अपना बसेरा बना लेते हैं जब भी कोई आदमी वहाँ से गुजरता तो वे उसे मारकर पैसे लूट लेते थे इन्हीं सब कारणों की वजह से लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए अपने साथ हथियार लेकर घूमना पड़ता था।

प्रश्न 3:- लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण बिछड़ गया?

उत्तर 3:- (i) लेखक ने लङ्कोर जाने के लिए घोड़ा किया था।

(ii) घोड़े के सुस्त पड़ने से लेखक के दोस्त आगे निकल गए और वो पीछे रह गए।

(iii) वह गलत रास्ते पर डेढ़-दो मील चल गया और फिर वापस लौटा।

इन्हीं सब कारणों की वजह से लेखक रास्ते में अपने साथियों से बिछड़ गया।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्रश्न ४. लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परन्तु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर ४. शेकर विहार में सुमति के बहुत से यजमान रहते थे, जिनको वह गंडा बाँटते थे लेखक को लगा कि सुमति अगर यजमान से मिलने गए तो वो हफ्ता भर वहीं लगा देंगे। इसीलिए लेखक ने सुमति को यजमान के पास जाने से रोका। लेखक को शेकर विहार के ही एक मंदिर में बुद्धवचन-अनुवाद की 103 पोथियाँ मिल गई। वो किताबों में लीन हो चुके थे। इसलिए उसने दूसरी बार सुमति को रोकने का प्रयास नहीं किया।

प्रश्न 5. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर 5. (i) तिब्बत की ओर जाने वाले कई रास्ते सुनसान थे इस वजह से उन्हें डाकुओं का भय था।

(ii) लेखक को ऊँचे-नीचे पहाड़ी रास्ते पर तेज-धूप में यात्रा करनी पड़ी।

(iii) समय से न पहुँच पाने के कारण उन्हें सुमति के गुस्से का भी सामना करना पड़ा।

(iv) तिब्बत में चिलचिलाती धूप में अपना सामान पीठ पर लादकर यात्रा करनी पड़ी।

प्रश्न 6. प्रस्तुत यात्रा-वृत्तान्त के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर। (i) उस समय का तिब्बती समाज बहुत खुले विचारों वाला था जिसमें जात-पात, छुआ-छूत ऊँच-नीच जैसी बातें नहीं थी।

(ii) महिलाएँ पर्दा नहीं करती थीं। वे अपरिचितों को भी घर के अंदर बुलाकर चाय बनाकर दे दिया करती थी।

(iii) समाज में मदिरा-पान का रिवाज था। शाम में लोग मदिरा-पान करते और होश में नहीं रहते थे।

21/05/19

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera